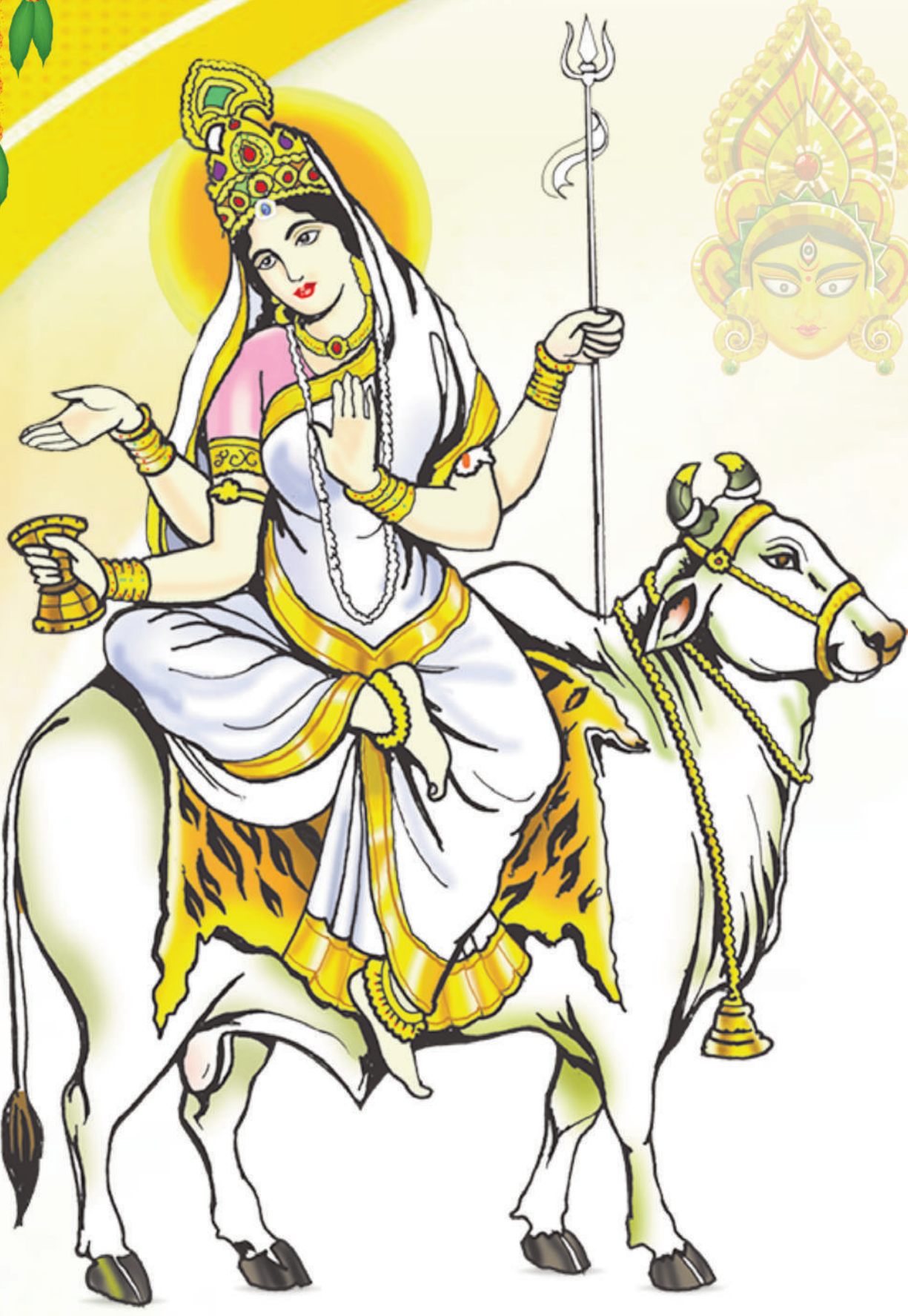




या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥



= माँ महागौरी की आरती =

जय महागौरी जगत की माया।
जया उमा भवानी जय महामाया ॥

सती 'सत' हवन कुंड में था जलाया।
उसी धुएं ने रूप काली बनाया ॥

हरिद्वार कनखल के पास।
महागौरी तेरी वहां निवासा ॥

बना धर्म सिंह जो सवारी में आया।
तो शंकर ने त्रिशूल अपना दिखाया ॥

चंद्रकली ओर ममता अंबे।
जय शक्ति जय जय माँ जगंदबे ॥

तभी माँ ने महागौरी नाम पाया।
शरण आनेवाले का संकट मिटाया ॥

भीमा देवी विमला माता।
कौशिकी देवी जग विख्याता ॥

शनिवार को तेरी पूजा जो करता।
माँ बिगड़ा हुआ काम उसका सुधरता ॥

हिमाचल के घर गौरी रूप तेरा।
महाकाली दुर्गा है स्वरूप तेरा ॥

भक्त बोलो तो सोच तुम क्या रहे हो।
महागौरी माँ तेरी हरदम ही जय हो ॥

शक्तिदायिनी
माँ दुर्गा के आठवें स्वरूप
माँ महागौरी
की आराधना के पर्व
दुर्गा अष्टमी

की आप सभी को हार्दिक
शुभकामनाएं



/pk4gurugram



पंकज डाबर
विधानसभा : गुरुग्राम